

---

# Shri Tandava Stotram

---

## श्रीताण्डवस्तोत्रम् २

---

### Document Information

Text title : Shri Tandava Stotram 02 39

File name : tANDavastotram2.itx

Category : shiva, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-39

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 25, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीताण्डवस्तोत्रम् २



चित्रं वटतरोर्मूले वृद्धाः शिष्या गुरुर्युवा ।  
गुरोस्तु मौनं व्याख्यानं शिष्यास्तु च्छन्नसंशयाः ॥ १ ॥

पदप्रचुरकिङ्किणीकिणिकिणध्वनिभ्राजितं  
हरिप्रमुखदेवतादृत्तलसन्मृदङ्गादिकम् ।  
धिधिन्धिमितधैतधैतधरवानुसारिक्रमं  
सदा तिमिति मङ्गलं दिशतु शाम्भवं ताण्डवम् ॥ २ ॥


धिन्धिमिधिमिधिमिशब्दैर्वन्धुरपदमन्दरं नटन्तम् ।  
झञ्झणझणझणरावारञ्जितमणिमण्डनं शिवं सेवे ॥ ३ ॥

तक्कतोधिक्कतोतातथातैतथै  
तोङ्गदद्गाङ्गधिन्नत्तशब्दान्मुहुः ।  
उच्चरन् हासविन्यासचञ्चन्मुखः  
सन्ननर्त स्वयं श्रीभवानीपतिः ॥ ४ ॥

तापसांस्तापसानन्तरा देवता  
देवता देवताश्चान्तरा तापसाः ।  
एवमादृत्य वागीश्वरादिस्थितौ(धिष्टितः)  
सन्ननर्त स्वयं श्रीभवानीपतिः ॥ ५ ॥

॥ इति श्रीताण्डवस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

